NAHEP-sponsored skill development program on "Quality control and certification of fish and fishery products" conducted from January 6-10, 2020

The Post Harvest Technology department of ICAR-CIFE organized a 5-day National Agricultural Higher Education (NAHEP)–funded skill development program (SDP) on "Quality control and certification of fish and fishery products" from 6-10 January 2020. The program was inaugurated by Director & Vice-Chancellor Dr. Gopal Krishna, and attended by 20 undergraduate students from different state fisheries colleges and 7 post graduate students. The training program consisted of theory and practical sessions on quality and safety management of fish and shellfish products, microbiological and biochemical methods of quality assessment, quality management systems, national and international regulations, and entrepreneurship development. The trainees visited Export Inspection Agency (EIA), Mumbai as part of their practical learning program. The sessions were interactive and included hands-on practical sessions conducted by experts.

"मछली और मत्स्य उत्पादों की गुणवत्ता नियंत्रण और प्रमाणन" विषय पर 6-10 जनवरी, 2020 से आयोजित एनएएचईपी प्रायोजित कौशल विकास कार्यक्रम

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान के प्रग्रहणोपरांत प्रौद्योगिकी विभाग ने 6-10 जनवरी 2020 से "मछली और मत्स्य उत्पादों के गुणवत्ता नियंत्रण और प्रमाणन" विषय पर 5-दिवसीय राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा (एनएएचईपी) - वित्त् पोषित कौशल विकास कार्यक्रम (SDP) का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. गोपाल कृष्णा निदेशक/कुलपति द्वारा किया गया और विभिन्न राज्य मात्स्यिकी महाविद्यालयों के 20 स्नातक और 7 स्नातकोत्तर छात्रों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मछली तथा शेलफिश उत्पादनों की गुणवत्ता और सुरक्षा प्रबंधन, सूक्ष्म जीव विज्ञान तथा जैव रसायन प्रणाली में गुणवत्ता मूल्यांकन, गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय नियमों तथा उद्यमिता विकास पर सैंध्दातिक व व्यवहारिक सत्र सम्मिलित थे। प्रशिक्षणार्थियों ने अपने व्यवहारिक शिक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में निर्यात निरीक्षण एजेंसी (ईआईए), मुंबई का दौरा किया। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया, जो कि अत्यंत सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ ।